



SHRI BHARAT GOENKA

Shri Bharat Goenka is the Vice-Chairperson of Tally Solutions Pvt. Ltd., one of India's largest Software Product companies.

2. Born on 7th August, 1961, Shri Goenka was schooled at Bishop Cotton Boys' School, Bengaluru, and did his B. Sc. from National College, Bengaluru – from where he graduated in 1981. The history of Tally Solutions goes back to 1986 when a Partnership firm called 'Peutronics' was formed with his wife, Smt. Sheela Goenka. Under the guidance of his late father Shri Shyam Sundar Goenka, Peutronics went on to create one of the first 'codeless' Accounting Systems. The birth of the product Tally is attributed to a conversation between Bharat and his father; where his father asked – "Are you writing programs to make life of the programmer easier, or life of the user easier"? In an era where technology and computer awareness was still miniscule, the value that the small entrepreneurs saw in the product affirmed Bharat and his father's belief that the product can truly change the way people run their businesses. And within a few months, his father made the prophetic statement that "There are only two kinds of businesses. Those who use Tally, and those who WILL use Tally". The Partnership firm went on to become Tally Solutions Pvt. Ltd. in 1999.

3. The journey of over 3 decades has been defined by remaining rock steady behind the philosophy embodied in his father's question. Shri Goenka's focus remained on keeping the product "simple" enough for a non-technical person to deploy and use, thus starting the concept of "Power of Simplicity" which is at the core of company's philosophy and has won the hearts of almost 2 million customers across 90+ countries. With some customers maintaining books of dozens of business and personal entities, the footprint of impact has been enormous simplifying the lives of businessmen across the world.

4. Apart from firm belief in simplifying lives of the Indian MSMEs, Shri Goenka's enduring tenet, being followed across the company has been – "if our products do not provide positive impact to your business, your money cannot provide positive impact to ours". It famously refuses to supply higher valued products to customers, when lower valued ones would be sufficient for their needs, keeping the customers' interest ahead of all.

5. The story of Tally has led to several accolades over the years. The recent ones being the first ever "Lifetime Achievement Award" by NASSCOM in 2011, when he was cited as "Father of the Indian Software Product Industry". The Computer Society of India conferred the "Honorary Fellowship Award" in 2014. In 2017, the prestigious "Sir M. Visvesvaraya Memorial Award" was bestowed by FKCCI.





श्री भरत गोयनका

श्री भारत गोयनका, भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्माण कम्पनियों में से एक टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के उपाध्यक्ष हैं।

2. 7 अगस्त 1961 को जन्मे, श्री गोयनका की स्कूली शिक्षा बिशप कोटन ब्वायज स्कूल, बेंगलूरु में हुई और उन्होंने अपनी बीएससी नेशनल कॉलेज, बेंगलूरु से की, वहीं से वह वर्ष 1981 में ग्रेजुएट बने। टैली सॉल्यूशंस का इतिहास वर्ष 1986 से शुरू होता है, जब उन्होने अपनी पत्नी श्रीमती शीला गोयनका के साथ मिलकर 'पियुट्रोनिक्स' नाम से एक साझेदार फर्म बनाई थी। उनके दिवंगत पिता श्री श्यामसुंदर गोयनका के मागदर्शन में, पियुट्रोनिक्स द्वारा पहली 'कोडलेस' लेखापरीक्षा प्रणाली आरंभ की गई। टैली उत्पाद के जन्म का श्रेय भरत तथा उनके पिता के बीच हुए संवाद को जाता है; जिसमें उनके पिता ने पूछा कि "आप प्रोग्रामर के जीवन को या फिर प्रयोक्ता के जीवन को आसान बनाने के लिए कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं"? एक ऐसे समय में जबकि प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर के बारे में जागरूकता बहुत कम थी, छोटे उद्यमियों ने जिस प्रकार उनके उत्पाद के महत्व को समझा, उससे भरत तथा उनके पिता का यह विश्वास और पक्का हो गया कि यह उत्पाद लोगों के व्यापार करने के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है। कुछ ही महीनों में, उनके पिता ने यह भविष्यवाणी की "केवल दो प्रकार के कारोबार होते हैं। एक, वह जो टैली का उपयोग करते हैं, और दूसरे वो जो टैली का उपयोग करेंगे"। वर्ष 1999 में, यह साझेदार फर्म टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में तब्दील हो गई।

3. तीन दशकों से ज्यादा समय की उनकी यात्रा को उनके पिता द्वारा पूछे गए प्रश्न में छिपे हुए दृढ़ विचार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। श्री गोयनका का ध्यान उत्पाद को बहुत 'सरल' रखने पर केंद्रित था, जिससे तकनीक की जानकारी न रखने वाला व्यक्ति भी उसका सही इस्तेमाल कर सके, और इस प्रकार "पावर आफ सिम्पलिसिटी" की अवधारणा सामने आई जो कंपनी के सिद्धांतों का आधार थी और जिसने लगभग 90 से ज्यादा देशों के लगभग 20 लाख ग्राहकों का दिल जीत लिया। कुछ ग्राहकों को कारोबार और व्यक्तिगत विवरण के बारे में दर्जनों बहीखातों को रखना पड़ता है, इसलिए इस उत्पाद के परिणामस्वरूप दुनिया भर के उद्योगपतियो का जीवन का काफी आसान बन गया है।

4. भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमियों के जीवन को आसान बनाने में दृढ़ विश्वास के साथ–साथ, उनकी कम्पनी श्री गोयनका के इस चिरस्थायी सिद्धांत का अनुसरण करती है–"यदि हमारे उत्पादों से आपके कारोबार पर सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, तो आपके पैसे का भी हमारे कारोबार पर सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा"। उन्होंने उन ग्राहकों को अधिक मूल्य के उत्पादों की आपूर्ति करने से मना कर दिया जिनकी जरूरतें कम मूल्य वाले उत्पादों से पूरी हो सकती हों, इस प्रकार उन्होंने ग्राहकों के हितों को सबसे ऊपर रखा।

5. टैली की गाथा को पिछले कुछ वर्षों में बहुत सराहना मिली है। हाल ही में, उन्हे वर्ष 2011 में नैसकॉम द्वारा पहले "लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया गया, जिसमें उन्हें "भारतीय सॉफ्टवेयर उत्पाद उद्योग का जनक" बताया गया। कम्प्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया ने उन्हें वर्ष 2014 में "ऑनरेरी फैलोशिप अवार्ड" से सम्मानित किया। वर्ष 2017 में एफकेसीसीआई द्वारा उन्हें प्रतिष्ठित "सर एम. विश्वेश्वरैया मैमोरियल अवार्ड" से सम्मानित किया गया था।